बाल मन कैमूर

अंक 5

माह मई

वर्ष 2022

संपादक धीरज कुमार

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,
(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उद्देश्य से "बाल मन कैमूर" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में सकारात्मक सोच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "बाल मन कैमूर" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) कैमूर
शिक्षा भवन भभुआ कैमूर

[शुभकामना संदेश]

अपार हर्ष के साथ कहना है की सरकारी विद्यालय के प्रतिभावान बच्चो के प्रतिभा को सम्मानित करने और उन्हें प्रोत्साहित करने के सकारात्मक ऊर्जा द्वारा ToB "बाल मन कैमूर" मासिक पत्रिका बच्चो और शिक्षको के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी की तरह है जिसके माध्यम से बच्चो के कलात्मक,रचनात्मक, कल्पनाशीलता सृजनात्मक और बौद्धिक क्षमता के साथ सर्वांगीण विकास हो रहा है।सरकारी विद्यालय के बच्चो ने भी इस पत्रिका के माध्यम से अपने प्रतिभा के परचम को राज्य स्तरीय पटल पर लहराने को प्रेरित किया है।इस नवाचार को अपनाने और बच्चो के लिए समर्पण भाव से कार्य करने के लिए मैं अपने तरफ से इस पत्रिका के संपादक धीरज कुमार और उनके टीम में शामिल सभी शिक्षको का आभार व्यक्त करते हुए बाल मन कैमूर को अपनी शुभकामना देते हुए सरकारी विद्यालय के बच्चो के उज्वल और सुखद भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

शुभकामनाओं सहित।

दयाशंकर सिंह
जिला कार्यक्रम पदाधिकारी
स्थापना कैमूर (भभुआ)।

सम्पादकीय

प्यारे बच्चो

नमस्कार

हम आप सभी के ढेर सारे प्यार और स्नेह के लिए हमारी पूरी टीम आप सभी के आभारी है।हमे व्हाट्सएप के माध्यम से आपके संदेश प्राप्त हो रहे है।आप सभी इस मासिक पत्रिका को अपने शिक्षको के द्वारा या कई ग्रुप के माध्यम से प्राप्त कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे है, जो हमे और भी नया और अच्छा करने की प्रेरणा दे रही है। इस पत्रिका के पंचम अंक को प्रकाशित कर आपको समर्पित करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।हमारे इस पत्रिका के माध्यम से सरकारी विद्यालय के बच्चो से जुड़ने का नवाचार आप सभी को पसंद आ रहे है।इस पत्रिका की प्रशंसा हमारे कैमूर जिले के जिला शिक्षा पदाधिकारी महोदय के साथ जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) महोदय ने भी अपने शुभकामना संदेश द्वारा की है।इसके साथ ही सरकारी विद्यालय के बच्चो में इस पत्रिका के माध्यम से एक नई ऊर्जा का संचार हो रहा है।

हम आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास करते है की टीचर्स ऑफ बिहार द्वारा प्रकाशित बाल मन कैमूर के द्वारा आपकी प्रतिभा को केवल जिला स्तर पर ही नही अपितु राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर भी एक अलग पहचान प्राप्त हो।हमारी पूरी कोशिश है की हम बेहतर से भी बेहतर करे। यदि अनजाने में किसी प्रकार की त्रुटि या भूल हुई होगी तो हम उसे सुधार करने की पूरी कोशिश करेंगे।भूल-चुक के लिए हम क्षमाप्रार्थी है।आपके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ।

आपका
धीरज कुमार
U.M.S.सिलौटा भभुआ कैमूर(बिहार)

सहयोगकर्ता सदस्य:-

1.अवधेश राम(UMS बहुवरा)
2. ब्रजेश कुमार(U.H.S.हरिदासपुर, कुदरा)
3. आशा पांडे (मध्य विद्यालय अखलासपुर)
4आभा गोयल(मध्य विद्यालय बरहुली भभुआ)
5.अशोक कुमार(NPS भटवलिया नुआंव)
6.राम भूषण सिंह (UMS ब्रांडी नुआंव)
7. खुशबू कुमारी (UMS दुघरा, भभुआ)
8.अनिल कुमार सिंह सह रिंकी शर्मा (आदर्श बालिका उच्च विद्यालय रामगढ़)
9.कुमार राकेश मणि(UHS कोटा,नुआंव)
10.सुमित पटेल (NPS कठौरा, भभुआ)

प्रेरक प्रसंग

एक लड़के ने एक बार एक बहुत ही धनवान व्यक्ति को देखकर धनवान बनने का निश्चय किया। वह धन कमाने के लिए कई दिनों तक मेहनत कर धन कमाने के पीछे पड़ा रहा और बहुत सारा पैसा कमा लिया। इसी बीच उसकी मुलाकात एक विद्वान से हो गई। विद्वान के ऐश्वर्य को देखकर वह आश्चर्यचकित हो गया और अब उसने विद्वान बंनने का निश्चय कर लिया और अगले ही दिन से धन कमाने को छोड़कर पढने-लिखने में लग गया। वह अभी अक्षर ज्ञान ही सीख पाया था, की इसी बीच उसकी मुलाकात एक संगीतज्ञ से हो गई। उसको संगीत में अधिक आकर्षण दिखाई दिया, इसीलिए उसी दिन से उसने पढाई बंद कर दी और संगीत सीखने में लग गया। इसी तरह काफी उम्र बित गई, न वह धनी हो सका ना विद्वान और ना ही एक अच्छा संगीतज्ञ बन पाया। तब उसे बड़ा दुख हुआ। एक दिन उसकी मुलाकात एक बहुत बड़े महात्मा से हुई। उसने महात्मन को अपने दु:ख का कारण बताया। महात्मा ने उसकी परेशानी सुनी और मुस्कुराकर बोले, "बेटा, दुनिया बड़ी ही चिकनी है, जहाँ भी जाओगे कोई ना कोई आकर्षण ज़रूर दिखाई देगा। एक निश्चय कर लो और फिर जीते जी उसी पर अमल करते रहो तो तुम्हें सफलता की प्राप्ति अवश्य हो जाएगी, नहीं तो दुनियां के झमेलों में यूँ ही चक्कर खाते रहोगे। बार-बार रूचि बदलते रहने से कोई भी उन्नत्ति नहीं कर पाओगे।"

युवक महात्मा की बात को समझ गया और एक लक्ष्य निश्चित कर उसी का अभ्यास करने लगा।इस प्रसंग से हमें यह शिक्षा मिलती हैं कि, हम जिस भी कार्य को करें, पूरे तन और मन से से एकाग्रचित होकर करें, बार-बार इधर-उधर भटकने से बेहतर यही की एक जगह टिककर मेहनत की जाएं, तभी सफलता प्राप्त की जा सकती है।(सोशल मीडिया से)

🤔😳अजब - गजब😳🤔

1.रेनबो यूकेलिप्टस एक ऐसा रंगीन पेड़ है जिसका छाल इंद्रधनुषी रंगो वाला होता है।

2. मलेशिया और थाईलैंड में नारियल के पेड़ो से नारियल तोड़ने के लिए बंदरो को ट्रेनिंग दी जाती है।

3. हंस प्राय: हमेशा जोड़े में रहते है।

4.एक से लेकर निन्नावे तक की गिनती के स्पेलिंग में कही भी
A,B,C,D नही आता हैं।

5.जिराफ अपनी 21 इंच लंबी जीभ से कान साफ कर सकता है।

नन्हे कलाकार

मध्य विद्यालय अखलासपुर

UHS हरदासपुर कुदरा

मध्य विद्यालय बरहुली भभुआ

अंश कुमार वर्ग 8 UMS सिलौटा

मध्य विद्यालय अखलासपुर

पहेलियां

1.मैं तो हूं हरी-भरी पर मेरे है बच्चे काले।
मुझको छोड़ दो पगले, आजा मेरे बच्चे खाले।

2.कल बनता धड़ के बिना, मल बनता सिरहीन।
थोड़ा हूं पैर कटे तो, अक्षर केवल तीन।

3.बीमार नहीं रहती फिर भी खाती है गोली ।
बच्चे, बूढ़े डर जाते, सुनकर इसकी बोली।

4.काली है पर काग नहीं, लम्बी है पर नाग नहीं।
बलखाती है ढोर नहीं, बांधते है पर डोर नहीं।

5.हाथी, घोड़ा ऊँट नहीं, खाए न दाना,घास।
सदा ही धरती पर चले, होए न कभी उदास।

1.छोटी इलायची 2. कमल 3.बंदूक 4. चोटी
5.साइकिल

चुटकुले

1.एक भिखारी ने दरवाजे पर आवाज लगाई- दाता के नाम पर रोटी दे दो।
भीतर से आवाज आई - मम्मी घर में नहीं हैं।
इस पर भिखारी बोला - मैं रोटी मांग रहा हूं, तुम्हारी मम्मी नहीं।

2.बीवी - कल जो भिखारी आया था, बहुत अजीब इंसान है!
पति - क्यों?
बीवी - कल उसको खाना दिया था और आज मुझे किताब देकर गया है... "खाना पकाना सीखें"।

3.टीचर गोलू से- पांच में से पांच घटाने पर कितने बचेंगे ??
गोलू – पता नहीं मैडम।
टीचर(फिर से समझाते हुए)- अगर तुम्हारे पास 5 भटुरे है, और मैं 5 भटुरे तुझसे मै ले लूँ तो तुम्हारे पास क्या बचेगा ?
गोलू- .....छोले।

आपके पेंटिग भाग 1

अर्चना कुमारी वर्ग 7 UMS सिलौटा भभुआ

अदिति कुमारी वर्ग 7 MS अखलासपुर भभुआ

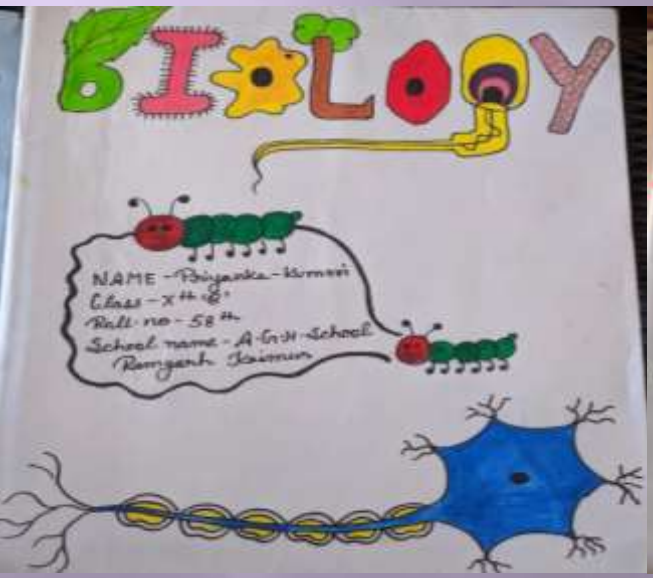

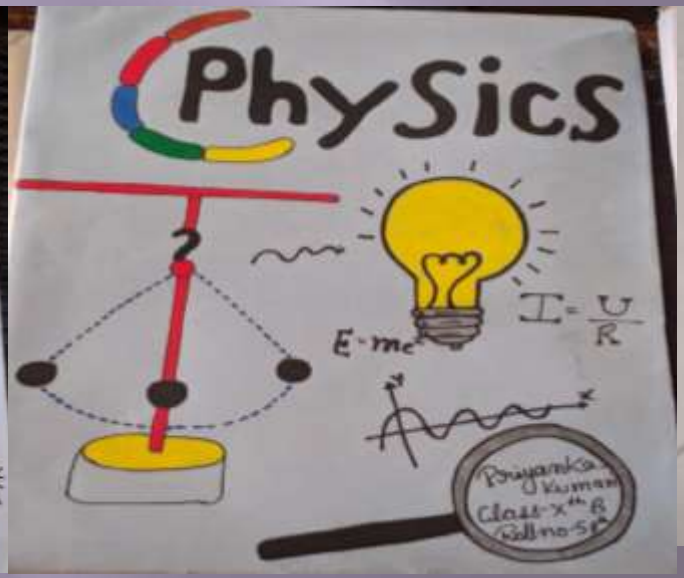

प्रियंका कुमारी वर्ग 10 आदर्श बालिका उच्च विद्यालय रामगढ़

अर्चना कुमारी वर्ग 7
UHS हरदासपुर कुदरा

आपके पेंटिग भाग 2

मध्य विद्यालय अखलासपुर

UHS विद्यालय कटरा कला मोहनिया

UMS सिलौटा भभुआ

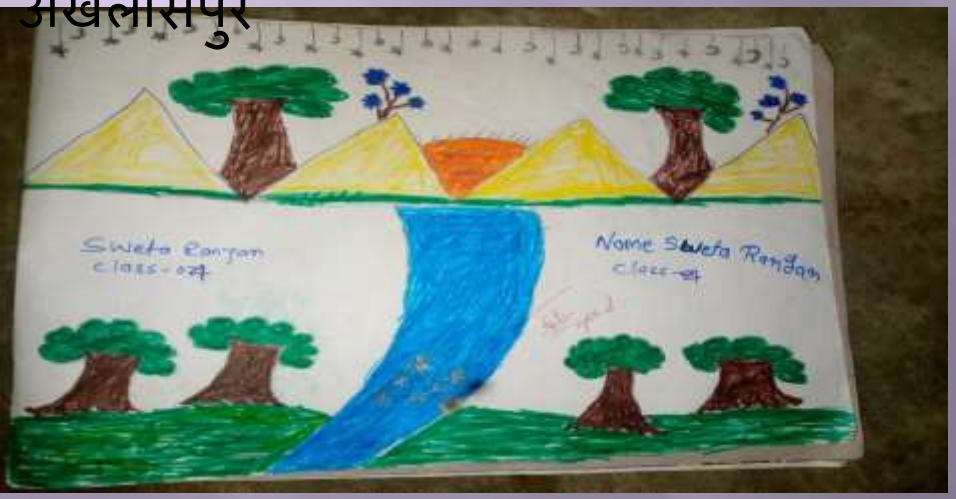

श्वेता रंजन वर्ग 4 NPS स्वेता रंजन वर्ग-4
न्यू प्राथमिक विद्यालयभटवलिया नुआंव

फुरकान आलम वर्ग 9 उच्च विद्यालय भभुआ

कविता

आम

कच्चे - पक्के प्यारे आम,
बच्चे बूढ़े सबको भाए आम।
आ जाए जब गर्मी कटीली,
तब मिलने लगती है आम रसीली।
कच्चे हो जब ये आम सभी,
बना लो बच्चो इसकी चटनी।
गर्मी में जब लग जाती है लू,
आम उबाल ,पन्ना पियो लू हो जाती छू।
जब पक जाए आम हो जाए और रसीला,
आंखों को स्वस्थ और शरीर को बनाता है ये फुर्तीला।
कच्चे पक्के दोनो प्यारे है आम,
सबके मन को भाए आम।।

सोनी कुमारी कुशवाहा
मध्य विद्यालय अखलासपुर (भभुआ)

"ज्ञान दायिनी"

हे ज्ञान दायिनी,
अबोध बालक पुकारे।
बसंत पंचमी को आ जा,
हमें दर्शन करा जा।।

मुझमें विद्या का ज्ञान भरदें,
मेरा काया कल्प करदे।
अपनी कृपा की ज्योती,
मां मुझपें करदे।।

हमें इतना शक्ति दे,
दुसरो के काम आएं।
दीन दुखियों की सेवा में,
अपनी हाथ बटाएं।।

कर्तव्य पथ पर चलकर,
अपनी लक्ष्य को सफल बनाएं।
सत्यता की पहचान कर,
जीवन सुखमय बनाएं।।

विद्या का प्रसार कर,
ज्ञान का दीप जलाएं।
मेरे अंतर्निहित ज्ञान,
सभी के काम में आएं।।

बनें हम उपकारी,
दुसरो के काम आएं।
दीन दुखियों को दान कर,
दानवीर कहलाएं।।

आरजू मेरा है,
मुझपर उपकार करना।
अपनी आशीर्वाद मां,
मेरे सिर पर रखना।।

अशोक कुमार
न्यू प्राथमिक विद्यालय भटवलिया
नुआंव कैमूर

कविता

* गर्मी *

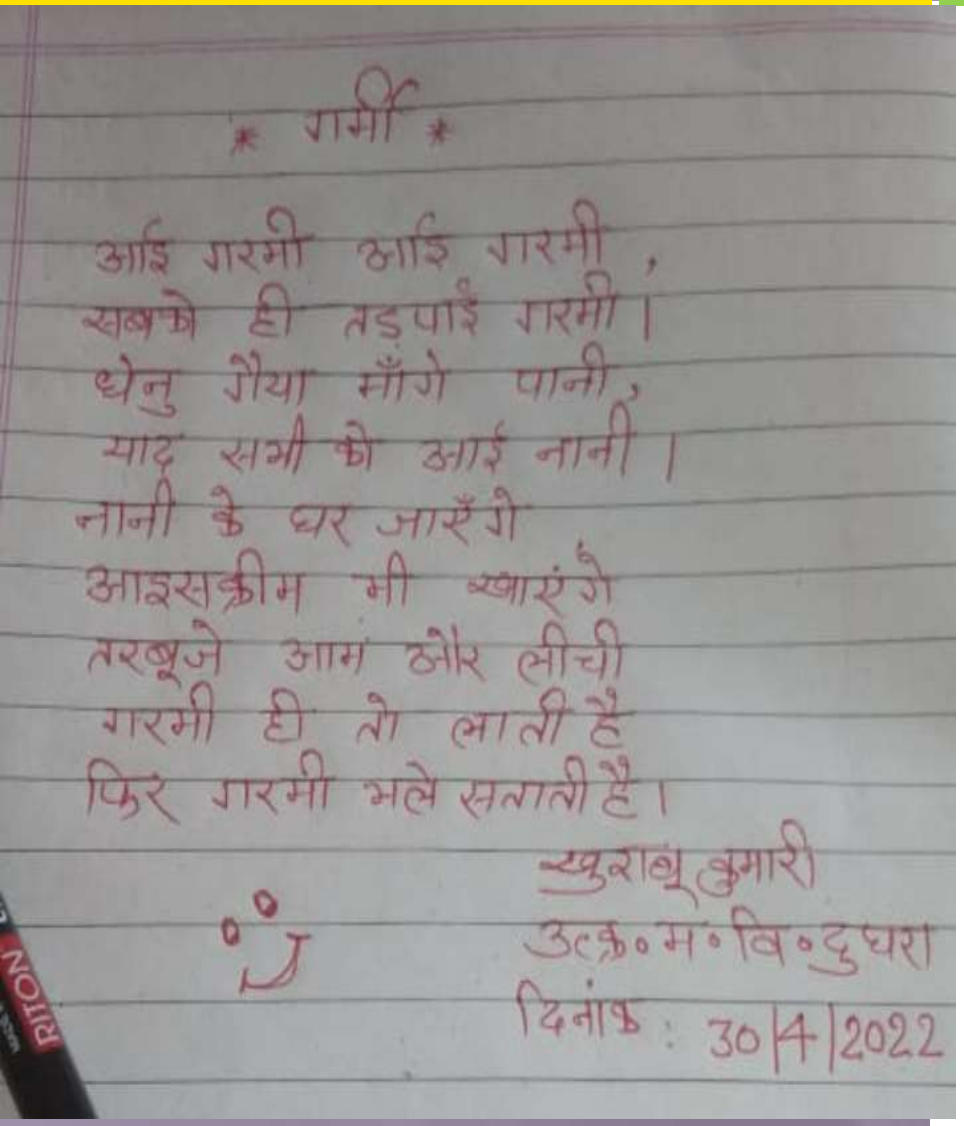

आई गरमी आई गरमी,
सबको ही तड़पाई गरमी।
धेनु गैया माँगे पानी,
याद सभी को आई नानी।
नानी के घर जाएँगे
आइसक्रीम भी खाएंगे
तरबूजे आम और लीची
गरमी ही तो लाती है
फिर गरमी भले सताती है।

खुशबू कुमारी
उ०क्र०म०वि०दुघरा
दिनांक : 30/4/2022

कहानी

मेहनत का फल

एक समय की बात है। रामपुर गांव में दो मित्र रहते थे। राम और श्याम दोनों में बहुत घनिष्ठ मित्रता थी। राम धनी परिवार से आता था। राम के पिता सरकारी स्कूल के शिक्षक थे। और श्याम गरीब परिवार से आता था। उसके पिता मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार का जीवन यापन करते थे। राम अपने अमीरी पर गुमान करता था। वह जानता था कि मैं इसी तरह अपना जीवन आनंद पूर्वक व्यतीत करूंगा। इसलिए वह कोई कार्य करने में आलसी था। वह पढ़ाई में भी मन नहीं लगाता था। परंतु श्याम इसके विपरीत गरीबी में अपने पिता का हाथ कामों में बताते हुए मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई करता था। अच्छी लग्न एवं मेहनत के बदौलत श्याम मैट्रिक इंटर एवं स्नातक के परीक्षाओं में अव्वल स्थान हासिल किया। इसके विपरीत राम सारे परीक्षाओं में फिसड्डी साबित हुआ। वह अंतत: पढ़ाई छोड़ दी। इसके बिपरित शाम अपनी पढ़ाई जारी रखी। राम और श्याम के पिता बूढ़े हो चुके थे। और राम के पिता रिटायर हो चुके थे। एक दिन अचानक उनकी मृत्यु हो गई। अब घर का सारा दारोमदार राम पर आ गया। राम खेती गृहस्ती करने लगा। दिन प्रतिदिन उसकी स्थिति दयनीय होती गई। उधर श्याम के पिता अपने बेटे पर गर्व करते थे। उन्होंने मेहनत मजदूरी करके अपने बेटे को पढ़ाते गए। वही बच्चा आज ऊंचे ओहदे पर बैठकर अपने पिता का सर गर्व से ऊपर कर दिया। आज राम की स्थिति ठीक उसके विपरीत हो चुकी थी। अंतत: एक दिन दोनों मित्रों की मुलाकात हो गई। राम अपने दोस्त से शर्मिंदा था। उसने दोस्त से कहा की दोस्त काश मैं भी तुम्हारी तरह लगन एवं मेहनत करके अपनी पढ़ाई जारी रखता तो आज ये दिन मुझे देखने को नहीं मिलता। कहा जाता है कि" अब पछताए क्या होत जब चिड़िया चुग गई खेत"। मनुष्य को समय रहते अपने को चेत लेना चाहिए ताकि भविष्य में पछतावा ना हो।

अशोक कुमार
न्यू प्राथमिक विद्यालय भटवलिया
नुआंव कैमूर

मेरा विद्यालय मेरी प्रतिष्ठा
उत्क्रमित मध्य विद्यालय बराढी
प्रखंड:-नुआंव, जिला:- कैमूर

"जो जैसा सोचता है और वैसा ही करता है,वो वैसा ही बन जाता है।"ये कथन आज उत्क्रमित मध्य विद्यालय बराढी प्रखंड नुआंव के विद्यालय ने कर दिखाया है।आज जिले में इस विद्यालय की अपनी एक अलग ही पहचान बन गई है।बिहार स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार 2021 के लिए विद्यालय को माननीय शिक्षा मंत्री जी के द्वारा पुरस्कार प्राप्त हुआ है।विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती सुनीता कुमारी द्वारा विद्यालय को बहुत ही सुंदर तरीके से व्यवस्थित किया गया है,इसमें विद्यालय के सभी शिक्षको का भी भरपूर सहयोग मिला है।विद्यालय में हाथ होने के लिए अलग अलग हैंड वॉश स्टेशन प्वाइंट बनाया गया है ।इसके साथ साथ विद्यालय में सुंदर तरीके से बागवानी भी की गई है।विद्यालय द्वारा बच्चो के स्वास्थ्य और सफाई का पूरा ध्यान दिया जाता है।कैमूर के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बराढी और विद्यालय परिवार को हमारे TOB बाल मन कैमूर पत्रिका के तरफ से बहुत बहुत बधाई।

टी.एल.एम. द्वारा शिक्षण,भाग-5

भिन्नों का रुपान्तरण

अवधेश राम, UMS
बहुआरा भभुआ

इस टी.एल.एम. के सहारे हम साधारण भिन्न को प्रतिशत तथा प्रतिशत को साधारण भिन्न में बदल सकते हैं।इसे बनाने के लिए सबसे पहले हम एक साड़ी के डिब्बे के आन्तरिक भाग को अलग-अलग रंगों के सहारे दो बराबर भागों में विभाजित कर देते हैं। डिब्बे के बीचों-बीच एक छोटा सा वृत्त बनाते हैं तथा इसे चार बराबर भागों (प्रत्येक 25%) में विभाजित करते हैं।कुट के 8 छोटे-छोटे वृताकार टुकड़ों को सुई धागा की सहायता से चित्रानुसार लगाते हैं। डिब्बे के आधे भाग वाले टुकड़ों पर भिन्नात्मक संख्या यथा 1/2, 3/4, 1/4, 1/1 तथा शेष आधे भाग वाले टुकड़ों पर प्रतिशत यथा 25%, 50%, 75%, 100% लिखते है।

प्रयोग विधि :- अब हम 3/4 वाले वृताकार टुकड़े को खिंचकर बीच वाले वृत्त के पास ले आते हैं, मतलब हमें 3/4 को प्रतिशत में बदलना है।3/4 का मतलब हुआ चार भाग में तीन भाग। अब हम बीच वाले वृत्त से चार भाग में तीन भाग लेंगे तो 25% का तीन गुना अर्थात 75% होगा, मतलब 3/4=75% होगा।

इसी तरह प्रतिशत को साधारण भिन्न में बदलते हैं।

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 1)

ड्रेस कोड में UHS हरदासपुर कुदरा के शिक्षक और बच्चे

UMS सिलौटा भभुआ

Student of the week

UMS कोटा नुआंव

फोटो ऑफ द मंथ (भाग 2)

पुस्तक क्रय पर कॉपी वितरण (NPS कठौरा भभुआ)

टाई और बेल्ट के साथ ड्रेस में बच्चे(UMS सिलौटा भभुआ)

बाल संसद टीम का प्रशिक्षण(UHS हरदासपुर कुदरा)

चेतना सत्र (UMS कोटा नुआंव)

सामान्य ज्ञान

1.स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री कौन थे?

2.भूकंप की तीव्रता मापने वाले यंत्र को क्या कहते है ?

3.गौतम बुद्ध का जन्म कब हुआ था?

4.शून्य की खोज किसने की?

5.जल मंदिर कहां स्थित है ?

पिछले अंक में सबसे पहले सही जवाब देने वाले विद्यार्थी का नाम=गुंजन केशरी ,वर्ग 5 (मध्य विद्यालय आखलासपुर,भभुआ)

व्हाट्सएप कर सकते है।

आप अपने सुझाव और जवाब मोबाईल नंबर 9431680675 पर दे सकते है।

धन्यवाद